लाल मंगलः युद्ध का रोमन देवता

विश्व मोहन तिवारी

विज्ञान ने जिस तरह लोगों को शुक्र के रूप को लेकर निराश किया, कुछ उसी तरह मंगल के विषय में भी हुआ है। दूरबीनों से देखकर लोग पुलकित थे कि मंगल पर नहरें हैं, जीवन भी है, और वनस्पति भी।

1965 में ही मैरिनर 4 ने जो चित्र भेजे उनसे साफ दिखा कि मंगल की सतह ज्वालामुखियों तथा उल्का द्वारा खोदे गए कटोरेनुमा गड्ढों से पटी पड़ी है। फिर 1976 में वाइकिंग मंगल की सतह पर उतरा और उसकी मिट्टी का रासायनिक विश्लेषण किया। कुछ विशेष जानकारी मिली किन्तु जीवन का नामो निशान नहीं मिला। समझ में आ गया कि मंगल की मिट्टी ही ऑक्सीकृत होने के कारण अनुर्वर है। साथ ही वहां का वातावरण एक तो पराबैंगनी किरणों से त्रस्त है, और दूसरे उसमें कार्बन डाईऑक्साइड लगभग 95 प्रतिशत है। और तीसरे उसमें जब तब भयंकर तूफान उठा करते हैं।

मंगल ग्रह जीवन सम्बंधी अपना रहस्य छिपाए हुए है। लोग आशा लगाए बैठे हैं कि शायद पुरातन काल में कभी मंगल पर जीवन रहा होगा। जल भी रहा होगा यद्यपि इस समय वायुमंडल में 0.1 प्रतिशत ही जलवाष्प है। मंगल सूर्य से दूरी के अनुसार बुध, शुक्र तथा पृथ्वी के बाद चौथा ग्रह है। मंगल का लाल रंग विशेष है। वैज्ञानिकों ने गहन विश्लेषण के बाद वहां की मिट्टी में एक विशेष लौह की संभावना व्यक्त की है।

यह संयोग है कि उसके दिन की लम्बाई (घूर्णन अवधि) पृथ्वी के 24.6 घंटे के बराबर है। मंगल का द्रव्यमान पृथ्वी का लगभग एक दशमांश (1/10) है, जबकि इसका व्यास आधा है। अर्थात मंगल का घनत्व भी पृथ्वी की तुलना में दो तिहाई है।

मार्स एक्सप्रेस यान से 3 मार्च 2010 को लिया गया मंगल का चित्र

सौरमंडल में बुध के बाद दूसरा सबसे छोटा ग्रह मंगल है। मंगल सूर्य से पृथ्वी की अपेक्षा डेढ़ गुना दूर है (1.5 खगोल इकाई) और ठंडा है। अधिकतम तापक्रम -20 डिग्री सेल्सियस तथा न्यूनतम -140 डिग्री सेल्सियस। वहां सर्दियों में ध्रुव क्षेत्र में हिम (जल का नहीं वरन कार्बन डाईऑक्साइड का) छा जाता है, और गर्मियों में पिघल जाता है। कार्बन डाईऑक्साइड के जमने और पिघलने के फलस्वरूप वहां के वायु दाब में बहुत अंतर पड़ता है।

इसकी चुम्बकीय शक्ति और चुम्बक मण्डल कमज़ोर है, शायद इसलिए कि इसका क्रोड ठोस है।

मंगल के दो चांद हैं - फोबोस तथा डेमास। फोबोस गोल नहीं है वरन एक चट्टान के टुकड़े जैसा है, जिसकी सर्वाधिक लम्बाई 27 किलोमीटर है। वास्तव में यह भागता हुआ एक क्षुद्र ग्रह था जिसे मंगल ने पकड़ लिया। ***(स्रोत फीचर्स)***